हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार 23 फरवरी 2026

11 व्यसन मुक्ति का संदेश देने को निकाली शांति यात्रा

12 मेगा जांच शिविर में 831 लोगों का जांचा स्वास्थ्य...

खबर संक्षेप

जिला-उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आज

झज्जर। सोमवार को जनता की शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडल स्तर पर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तरीय समाधान शिविर में एडीसी जगनिवास और उपमंडल स्तर पर संबंधित एसडीएम लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनेंगे।

झज्जर। जगनिवास एडीसी झज्जर।

वारदात को सुलझाने में जुटी कई टीमें

बहादुरगढ़। न्यू बसंत विहार में स्थित मकान में हुई लाखों की चोरी के मामले में पुलिस की कई टीमें भागदौड़ कर रही हैं। हालांकि अभी चोर का सुराग नहीं लग पाया है। सीसीटीवी फुटेज में नजर आए युवक तक पहुंचने के प्रयास किए जा रहे हैं। दरअसल, न्यू बसंत विहार में विकास के मकान में यह वारदात हुई थी। गत 20 फरवरी की रात को परिवार के सदस्य सो गए। इस दौरान रात करीब एक बजे शातिर युवक मकान में घुसा और अलमारी से 20 तोला सोना, 250 ग्राम चांदी और दस लाख की नकदी पर हाथ साफ कर गया था। भागते वक्त परिवार के सदस्यों की चोर पर नजर भी पड़ी लेकिन वह चंपत हो गया। दूसरी तरफ सिटी थाना पुलिस, सीआईए व एवीटी की कई टीमें मामले में छानबीन कर रहीं हैं लेकिन आरोपी अभी तक गिरफ्त में नहीं आ पाया है।

गांव इस्सरहेड़ी से रिक्शा चोरी, मामला दर्ज

बहादुरगढ़। गांव इस्सरहेड़ी में स्थित निखिल विहार कॉलोनी से ई-रिक्शा चोरी हो गई। शिकायतकर्ता अनुज का कहना है कि 21 फरवरी की दोपहर को उसने ई-रिक्शा खड़ी की थी। कुछ देर बाद देखा तो नहीं मिली। अपने स्तर पर तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चला। फिर पुलिस को शिकायत दी। इस शिकायत पर सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाइक की चपेट में आने से बुजुर्ग महिला की मौत

बहादुरगढ़। गांव नूना माजरा में बाइक की चपेट में आने से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। मृतका कांता देवी (65) देर शाम करीब सात बजे अपने मकान से प्लॉट की तरफ जा रही थी। इसी दौरान एक बाइक ने उनको टक्कर मारी और फरार हो गया। हादसे में कांता देवी के सिर, हाथ सहित अन्य हिस्सों में गंभीर चोट आई। परिजन बहादुरगढ़ के निजी अस्पताल में लेकर गए, जहां उनको मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने रविवार को पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। कांता देवी के बेटे प्रदीप कुमार की शिकायत पर सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है।

सड़क पर बुलेट मोटरसाइकिल से पटाखा बजाने वाले चालकों पर पुलिस सख्त

दो माह में दस बुलेटों के चालान, छह की इंपाउंड, बीस के उतारे साइलेंसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

यातायात पुलिस द्वारा मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर पटाखा बजाने वाले बुलेट मोटरसाइकिल चालकों के खिलाफ एक्शन तेज कर दिया गया है। ऐसे वाहन चालकों के जहां भारी भरकम चालान किए जा रहे है, वहीं वाहन को इंपाउंड भी किया जा रहा है। इसके अलावा बुलेट मोटरसाइकिलों के मॉडिफाइड साइलेंसर भी उतरवाएं जा रहे है। शहर यातायात प्रभारी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि नियमों के अवहेलना करने वाले बुलेट चालकों के जहां चालान किए जा रहे है, वहीं मॉडिफाइड कर साइलेंसर लगाने वाले मिस्त्रियों के खिलाफ भी नोटिस जारी करने की तैयारी की जा रही है।

झज्जर। बुलेट मोटरसाइकिल से उतारे गए साइलेंसरों के साथ पुलिस कर्मी। *फोटो : हरिभूमि*

तेज धमाके की आवाज से बढ़ती है परेशानी

बीस से अधिक बुलेट के साइलेंसर भी उतरवाए

शहर यातायात प्रभारी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि जनवरी और फरवरी माह में नियमों की अवेहलना करने वाले दस बुलेट चालकों के चालान किए गए है। जबकि छह वाहनों को इंपाउंड किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा मॉडिफाइड साइलेंसर लगाने वाले मिस्त्रियों को भी नोटिस देने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि बीस से अधिक बुलेट मोटरसाइकिलों के साइलेंसर भी उतरवाए गए है।

झज्जर। यातायात नियमों की अवेलहना करने पर चालान करते यातायात प्रभारी वीरेंद्र कुमार।

जानकारों का कहना है कि युवा बुलेट मोटरसाइकिल पर कंपनी द्वारा निर्धारित साइलेंसर हटाकर अवैध साइलेंसर लगवा रहे हैं। जिससे तेज धमाकेदार आवाज निकलती है। जिससे ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है और आमजन को भी परेशानी होती है।

यातायात पुलिस ने की अपील: जिला यातायात पुलिस द्वारा बुलेट मोटरसाइकिल चालकों से अपील करते हुए कहा कि अवैध साइलेंसर तुरंत हटवाएं, अपने वाहन को मूल कंपनी के मानकों के अनुसार रखें। उन्होंने कहा नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बहादुरगढ़ में 7 स्थानों पर हुए हिंदू सम्मेलनों में उमड़े लोग

विराट हिंदू सम्मेलन में एकता और सांस्कृतिक जागरण का दिया संदेश

संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आर्य नगर, ओमेक्स, अनाज मंडी, लाइनपार, सेक्टर-2 व दयानंद नगर समेत 7 स्थानों पर कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में बहादुरगढ़ में 7 स्थानों पर हिंदू सम्मेलनों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में हवन एवं कीर्तन के साथ ही प्रबुद्ध जनों का उद्बोधन भी हुए। सम्मेलनों में बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों व गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रमों के अंत में प्रसाद और भंडारे की व्यवस्था की गई थी।

सेक्टर-6 और मामन विहार का हिंदू सम्मेलन सेक्टर-2 की मेन मार्केट में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अधिवक्ता संजीव उनियाल ने कहा कि हमें अपने धर्म और संस्कृति के बारे में जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है तथा नई पीढ़ी को भी इसके प्रति जागरूक करना चाहिए। कथावाचक श्रीभगवान जी महाराज ने कहा कि हमें जाति, वर्ग, भाषा, क्षेत्र आदि का भेद भुलाकर समाज में समरसता की स्थापना करनी चाहिए। ताकि पूरा हिंदू समाज एकता के सूत्र में बंध कर राष्ट्र को परम वैभव पर पहुंचा कर भारत को विश्व गुरु बना सके।

बहादुरगढ़। अनाज मंडी में हवन में आहूति डालते हिंदू समाज से जुड़े लोग।

बहादुरगढ़। लाइनपार की लखीचंद धर्मशाला में हुए सम्मेलन में मौजूद लोग।

लाइनपार की लखीचंद धर्मशाला में हुए कार्यक्रम का मंच संचालन सेवा भारती के अध्यक्ष वीरेंद्र कटारिया ने किया। इस अवसर पर जिले के सह जिला कार्यवाह राकेश, शिवाजी नगर के कार्यवाह जय सिंह तथा कार्यक्रम संयोजक मुकेश विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या शीला देवी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में आचार्य युगल किशोर शास्त्री ने पंच परिवर्तन के विषय में विस्तार से जानकारी दी।

समाज को जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को अपने बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए और उन्हें संस्कारवान बनाना चाहिए। आरएसएस के जिला कार्यकर्ता दीपक ने कहा कि संघ व्यक्ति निर्माण का कार्य करता है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम है।

सेक्टर-2 में कार्यक्रम

बहादुरगढ़। हिंदू सम्मेलन में मंच पर मौजूद मातृशक्ति। *फोटो : हरिभूमि*

पर्यावरण संरक्षण पर विशेष बल दिया

विवेकानंद नगर, रामनगर व विवेकानंद बस्ती का हिंदू सम्मेलन गीता ज्ञानेश्वर स्वामी दिव्यानंद जी महाराज के सानिध्य में हुआ। उन्होंने संघ की शताब्दी वर्ष की यात्रा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विहिप जिलाध्यक्ष राकेश भारद्वाज ने समाज में पांच परिवर्तन लाने के बारे में विस्तार से जानकारी दी और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष बल दिया। उन्होंने मां पद्मावती और झांसी की रानी के बलिदान का उल्लेख करते हुए समाज को धर्म एवं संस्कृति की रक्षा के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में उत्साह दिखा

अनाज मंडी में हुए हिंदू सम्मेलन में महिलाओं व पुरुषों ने मिलकर हवन में आहुति डाली। आचार्य श्री भगवान ने हिंदुओं को अतीत से सीख लेते हुए एकजुट होने की प्रेरणा दी। हिंदू सम्मेलनों के नगर संयोजक संजीव शर्मा ने अपने गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेकर सामाजिक समरसता के मार्ग पर चलते हुए हिंदू समाज को एक होने के लिए प्रेरित किया। बैंक कॉलोनी के खाटू श्याम मंदिर तथा ओमेक्स गैलरिया में हुए हिंदू सम्मेलनों में भी असंख्य पुरुषों महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया।

झज्जर के गांव माजरा स्थित श्याम बाबा मंदिर में हुआ हिंदू सम्मेलन

झज्जर। हिंदू सम्मेलन में संबोधित करते वक्ता। *फोटो : हरिभूमि*

समाज के उत्थान के लिए संजीवनी है पंच परिवर्तन

झज्जर। गांव माजरा स्थित श्याम बाबा मंदिर में रविवार को हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अनूप सिंह, हरज्ञान तथा रमेश आर्य उपस्थित रहे। सम्मेलन का शुभारंभ आचार्य राजवीर द्वारा विधिवत हवन-यज्ञ, भारत माता को पुष्पांजलि अर्पित कर तथा आरती के साथ किया गया। मुख्य वक्ता ग्राम प्रमुख हरियाणा अनूप सिंह ने कहा कि पंच परिवर्तन समाजोत्थान के लिए संजीवनी के समान हैं। उन्होंने कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व का बोध, सामाजिक समरसता, नागरिक कर्त्तव्य तथा सांस्कृतिक जागरुकता जैसे पंच संकल्पों को समाज निर्माण की आधारशिला बताया। उन्होंने कहा कि पंच प्रणों की श्रेष्ठता के कारण ही भारत विश्व गुरु था। समाज की प्रारंभिक इकाई व्यक्ति है। व्यक्ति की श्रेष्ठता से परिवार सुदृढ़ होता है। परिवार से समाज और समाज से राष्ट्र की श्रेष्ठता निर्धारित होती है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने वैदिक काल से लेकर वर्तमान तक भारत की गौरवमय अनुभूति का तथ्यबध्द खाका भी प्रस्तुत किया। हरज्ञान ने पर्यावरण संरक्षण की विस्तार से व्याख्या करते हुए उनके व्यावहारिक जीवन में महत्व पर प्रकाश डाला। इसी प्रकार रमेश आर्य ने कहा कि समाज व राष्ट्र को सुधारने में मातृ शक्ति की सबसे बड़ी भूमिका है। माताओं ने ही भगत सिंह, बंदा बहादुर, महाराणा प्रताप, सुभाष चंद्र बोस, वीर हकीकत राय जैसे योद्धाओं को जन्म देकर देश सेवा के लिए तैयार किया था। जहां नितानंद वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्रा तमन्ना व टीना ने देशभक्ति व प्रेरणादाई विचारों की प्रस्तुति दी वहीं निस्वार्थ भाव से समाज सेवा करने वाले हवा सिंह, बलबीर सिंह, नौरंग सिंह, राजबीर सिंह, अजीत सिंह, राजकुमार, सतपाल सिंह, जयभगवान पुजारी, श्रीभगवान, मंदरूप, संदीप, कुलदीप आदि को सम्मानित भी किया।

छात्रा तमन्ना व टीना ने देशभक्ति व प्रेरणादाई विचारों की प्रस्तुति दी

ये रहे मौजूद

इस मौके पर वीरेंद्र सिंह, अनिल, प्रमोद सरपंच, जयकरण, आशाराम एडवोकेट, सतेंद्र सिंह, कादियान खाप प्रधान राजपाल, प्रोफेसर समुंद्र कौशिक, नीरज सरपंच, विनोद सरपंच, नीरज, सूरजमल, सुरेंद्र सिंह, अनिल, रविंद्र कौशिक सहित अन्य मौजूद रहे।

पिस्तौल के बट, चाकू व रॉड से जानलेवा हमला

बहादुरगढ़। सेक्टर-13 स्थित एक अखाड़े में हुए विवाद के दौरान हथियार चल गए। तीन लोगों पर पिस्तौल के बट, तेजधार हथियार व लाठी, डंडों से हमला करने की बात सामने आई है। हमले में तीनों को गंभीर चोट आई। इस संबंध में सदर थाना पुलिस ने आठ नामजद सहित अन्य अज्ञातों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम, मारपीट, जान से मारने की धमकी सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला करीब दस दिन पुराना है लेकिन अब केस दर्ज हो सका है। पुलिस को दी शिकायत में नयागांव के निवासी सोनू ने कहा है कि 12 फरवरी की शाम को वह परिचित सतपाल का हाल चाल जानने उसके घर गया था। इसी दौरान पौने सात बजे शक्ति नगर के निवासी सुमित का फोन आया कि पवन अखाड़े में आकर मेरे साथ गाली गलोच कर रहा है। इस पर मैं अपने साथी संजय के साथ अखाड़े में गया तो वहां अमित, पवन, अंकित आदि खड़े थे। तीनों हमसे गाली गलोच करने लगे। झगड़े की आशंका को देखते हुए मैंने अपने साले के लड़के आर्यन को बुला लिया। इसके बाद जब हम घर जाने के लगे तो आरोपियों ने घेर कर हमारे साथ मारपीट शुरू कर दी। रॉड, डंडों से वार किए गए। इसके बाद अनुज, राकेश और प्रमोद आदि ने चाकू, पिस्तौल के बट से चेहरे आंख व कमर आदि पर प्रहार किए। वहीं पंकज ने देशी कट्टा दिखाकर धमकी दी। प्रमोद के भाई सतीश ने आकर आर्यन के साथ मारपीट की। हमलावरों में चार-पांच अन्य अज्ञात युवक भी शामिल थे। हमलावरों ने कहा कि सरपंच से पंगा लिया तो जान से मार देंगे। इसके बाद जब हमारे परिजन आए तो हमलावर वहां से गए। हमें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उधर, सदर थाना पुलिस का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है।

ट्रेन में चढ़ते वक्त जेब से फोन निकाला

बहादुरगढ़। रेलवे स्टेशन या ट्रेन में भीड़भाड़ के दौरान सतर्कता बरतते हुए अपने मोबाइल अथवा अन्य सामान का ख्याल रखें। यहां स्टेशन पर चोरी करने वाले शातिर सक्रिय हैं। मौका लगते ही आपके सामान पर हाथ साफ कर सकते हैं। ऐसी ही एक और वारदात यहां रोहतक के निवासी अंशु के साथ हो गई है। जनता कॉलोनी का रहने वाला अंशु रोहतक जाने के लिए बहादुरगढ़ स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर खड़ा था। इसी दौरान अवध आसाम गाड़ी आई तो वह उसमें चढ़ने लगा। चढ़ते वक्त भीड़भाड़ अधिक थी। इसी दौरान उसकी जेब से किसी शातिर ने आई फोन 15 निकाल लिया और चंपत हो गया। जब अंशु गाड़ी के अंदर घुसा तो उसे वारदात का पता चला लेकिन देर हो चुकी थी। अब उसने जीआरपी में शिकायत दी है। जिस पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चंद दिनों पहले यहां स्टेशन के काउंटर पर टिकट के लिए लाइन में लगे एक व्यक्ति की जेब से भी मोबाइल निकाल लिया गया था। इसके अलावा पहले भी कई मामले हो चुके हैं।

ताला तोड़कर मकान से नकदी व आभूषण चुराए

बहादुरगढ़। इलाके में चोरी की वारदात लगातार बढ़ रही हैं। मकान पर ताला लगा देखते ही चोर निशाना बना लेते हैं। अब यहां बसंत विहार के एक और मकान में वारदात हुई है। यहां ताले तोड़कर चोर आभूषण व नकदी पर हाथ साफ कर गए।

वारदात सतीश के मकान में हुई है। जानकारी के अनुसार, सतीश अपने परिवार सहित भतीजे की शादी में गांव सांपला गए हुए थे। पीछे से मकान बंद था और ताला लगाया गया था। इसी दौरान रात को चोरों ने उनके मकान को निशाना बना लिया। अगली सुबह पड़ोसियों को उनके मकान के गेट पर लगा ताला टूटा नजर आया तो सतीश को सूचना दी गई। सूचना पाकर सतीश अपनी पत्नी सहित मकान पर आए तो हालात देखकर दंग रह गए। अंदर सारा सामान अस्त व्यस्त था। बेड व अलमारी आदि में सामान खंगाला गया था।

जांच में जुटी पुलिस

जांच करने पर आठ हजार रुपये की नकदी व सोने-चांदी के आभूषण गायब थे। सूचना पाकर सिटी थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस का कहना है कि सतीश की शिकायत पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। वारदात स्थल के आसपास सीसीटीवी फुटेज चेक किए जा रहे हैं। जल्द से जल्द वारदात को सुलझाने का प्रयास रहेगा।

बहादुरगढ़। पीडीएम स्कूल में प्रवेश परीक्षा देते विद्यार्थी।

पीडीएम पब्लिक स्कूल में 152 विद्यार्थियों ने भाग लिया

बहादुरगढ़। पीडीएम पब्लिक स्कूल में रविवार को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश के लिए 152 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं तथा माहौल के बारे में अवगत कराया गया। प्रिंसिपल डॉ. सुमन हुड्डा ने बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ पारंपरिक व नैतिक शिक्षा का ज्ञान देना भी जरूरी है ताकि आधुनिकता के साथ विद्यार्थी अपनी संस्कृति भी जुड़े रहें। अब अगली प्रवेश परीक्षा आठ मार्च को होगी।

नूना माजरा में पहली ओपन महिला फुटबॉल चैंपियनशिप संपन्न

कैथल को हराकर मंगाली ने जीती चैंपियनशिप

विजेता टीम को 31 हजार व ट्रॉफी तथा उपविजेता को 21 हजार व ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव नूना माजरा में आयोजित दो दिवसीय पहली ओपन महिला फुटबॉल प्रतियोगिता रविवार को संपन्न हो गई। शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में कैथल को हराकर मंगाली हिसार ने खिताब अपने नाम किया। विजेता और उपविजेता टीम को सम्मानित किया गया। समस्त ग्राम वासियों की ओर से शहीद राजेश स्टेडियम में यह आयोजन किया गया था। इसमें दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश की करीब 20 टीमों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शानदार प्रदर्शन के बूते मेरा गांव मेरा देश, मंगाली, कैथल व जींद आदि चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंची। पहला सेमीफाइनल मंगाली व जींद के बीच हुआ। जिसे मंगाली ने 2-1 के अंतर से जीत लिया। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में कैथल ने मेरा गांव मेरा देश एनजीओ की टीम को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में मंगाली व कैथल की टक्कर हुई। इस निर्णायक मुक़ाबले में मंगाली हिसार की टीम पूरी तरह से हावी रही और 4-1 के अंतर से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। बेस्ट गोलकीपर प्रियंका कैथल से, बेस्ट डिफेंडर नैना, बेस्ट मिडफील्डर तमना मंगाली से, बेस्ट स्ट्राइकर निधि मंगाली से रही। विजेता टीम को 31 हजार व ट्रॉफी तथा उपविजेता को 21 हजार व ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि चेयरपर्सन सरोज राठी व विशिष्ट अतिथि पटियाला साईं के चीफ कोच रोहित पराशर ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। डीएफए के सेक्रेट्री सुरेश जून, कोच सुदर्शन, मनीषा जांगड़ा, सुनीता, रितु, मुनेश कुमारी, शिवानी व निशि आदि कोचों की देखरेख में ये मुकाबले हुए। आयोजकों ने कहा कि बेटियों की प्रतिभा निखारने के लिए आगे भी इस तरह के आयोजन किए जाएंगे।

बहादुरगढ़। विजेता टीम को ट्राफी देते अतिथि व आयोजक।

चौपाल

किसी भी मनुष्य की इच्छाशक्ति अगर उसके साथ हो तो वह कोई भी काम बड़े आसानी से कर सकता है। इच्छाशक्ति और दृढ़संकल्प मनुष्य को रंक से राजा बना देती है।

– महर्षि वाल्मीकि

जोगिंदर ने अंगोछे से मुंह पोंछा और तंबाकू की पीक निगलता हुआ बोला, "बाबूजी ने बहुत बड़ा फ़ार्म हाउस बनवाया है। अब अगले महीने वहीं काम करना है। बाबूजी ने यह भी बोला है, काम अच्छी तरह से किया, तो यहीं पर परमानेंट कर देंगे। छह महीने बाद पगार भी बढ़ा देंगे और रहने को पक्की छत वाला एक कमरा भी बनवा देंगे।"

कहानी

विकेश निझ़ावन

तितलियां

जोगिंदर देर रात तक सामान बटोरता रहा। कस्सी, खुरपा, दराती और बड़ी वाली कैंची। यह सब तो ठीक, लेकिन किसी और औज़ार की ज़रूरत भी तो पड़ सकती है, जोगिंदर मन ही मन बुदबुदाया। अब इतना भी क्या सोचना। बाबू वहां होगा, उनसे कह देगा। जोगिंदर ने यह बात माया के आगे भी दोहरा दी तो माया खीजती-सी बोली, "तेरे को ये सब भी ले जाने की क्या ज़रूरत। नई जगह है, बाबू अपने-आप नया सामान दिला देंगे।"

"अरी, कैसी बात करती हैं। यह सामान भी तो बाबूजी ने ही दिलाया था। अब हर दिन बाबूजी पैसे ख़र्च करते रहेंगे। जब कोई चीज़ टूट जाएगी, तब कह देंगे उनसे। दीवार की खूंटी से अपनी बनियान उतारता जोगिंदर बोला, "पैसा अपना हो या दूसरे का, इस तरह बर्बाद ना करने का मैं।"

"बस रे हरिश्चंद्र की औलाद। तेरी इसी बुद्धि करके तो मुझे भी नरक-सी जिंदगी जीनी पड़ रही है। पिछले माह देखा, क्या हाल रहा अपना। पूरा दिन नाले की सफ़ाई करते-करते, बदन कोढ़ मारने लगा था। मच्छर, कीड़े मेरी बाजू के ऊपर तक चढ़े आते थे। सूरज को चुन्नी में लपेट पेड़ के नीचे सुला आती थी। यूं कह ले, पेड़ ने ही उसकी रक्षा की।" माया पलभर को रुकी, फिर लंबी सांस भरती बोली, "अब तो पाली दसवीं पास कर ले, उसे कहीं किसी दफ्तर में लगवा दो।"

"किसी दफ्तर में! अफ़सरी करेगा क्या?"

"नहीं जी, अफ़सरी तो नहीं कह रही मैं। चपरासीगीरी तो कर ही लेगा।"

जोगिंदर ने ठंडी सांस भरी, फिर बोला, "तेरी बात तो ठीक है री, परंतु मैं कुछ और सोचूं।"

"तो अब तू क्या सोचे?" माया उतावली-सी होती बोली।

"मैं सोच रहा हूं, अगर वह दस पास कर सकता है, तो बारह भी पास कर लेगा। और बारह पास को तो सरकारी नौकरी भी मिल जाए।"

"सरकारी नौकरी! हम जैसों को सरकारी नौकरी कौन देगा। अपनी तो कोई न जान-पहचान, न कोई सिफ़ारिश।"

"अरी, अभी दो साल हैं ना! बाबूजी से कहेंगे, वह पहुंच वाले आदमी हैं, और फिर किस्मत पलटते देर ना लगे। अब अपना ही देख ले, कल तक नाले की साफ़-सफ़ाई कर रहे थे, अब कल से बाग़-बग़ीचे की रखवाली करेंगे। मैं तो बाग़-बग़ीचा भी देख आया हूं।"

"तू बाग़-बग़ीचा देख आया, मुझे क्यों नहीं बताया?" माया ने उलाहना भरा।

"अब हर बात के लिए तुझे साथ लेता रहूं?" जोगिंदर ने अंगोछे से मुंह पोंछा और तंबाकू की पीक निगलता बोला, "बाबूजी ने बहुत बड़ा फ़ार्म हाउस बनवाया है। अब अगले महीने वहीं काम करना है। बाबूजी ने यह भी बोला है, काम अच्छी तरह से किया, तो यहीं पर परमानेंट कर देंगे। छह महीने बाद पगार भी बढ़ा देंगे और रहने को पक्की छत वाला एक कमरा भी बनवा देंगे।" माया को तो यक़ीन ही न आया। बोली, "एक बार पहले भी बाबूजी ने बाग़-बग़ीचे में काम दिया था, तब पाली तीन बरस का था।" एकाएक माया का चेहरा खिल-सा आया। हंसते हुई बोली, "पाली के बचपन के साल तो वहीं निकले थे।"

"याद है कैसे भाग-भागकर तितलियां पकड़ा करता था।"

जोगिंदर भी मुस्कुरा दिया, "हां, याद है मुझे। पर तुझे यह भी याद है, हर रोज़ वह दो-चार तितलियां अपनी स्कूल की कॉपी-किताबों के बीच दबा दिया करता था।"

"मैं कैसे भूल सकती हूँ।" माया उदास होती बोली, "उसकी मैडम ने ही बताया था। मुई कहती थी, तुम्हारा बेटा बड़ा होकर 'क्रिमिनल' बनेगा। उस वक्त मुझे इस शब्द का क्या पता था। मैंने सोचा, कोई अच्छी बात कह रही होगी, लेकिन जब बाद में पाली ने इसका मतलब बताया तो मैंने उसे चांटा लगा दिया था। अरे, पहले बताया होता, तो मैं उस मुई का मुंह नोच लेती।"

"हां!" जोगिंदर भी आक्रोश से भर आया था। मुट्ठियां भींचता बोला, "तभी तो हमने पाली को उस स्कूल से निकाल लिया था। अब देख, सरकारी स्कूल में ही सही, पास तो होता चला आया है। बुरा समय तो बीत गया। छह महीने बाद पाली दस पास कर लेगा, और बाबूजी के बग़ीचे में हमारी नौकरी भी पक्की हो जाएगी।" जोगिंदर की बात पर माया ने चेहरा आसमान की ओर उठाते हुए दोनों हाथ जोड़ दिए, और मन ही मन ईश्वर का धन्यवाद करने लगी।

इस नई जगह पर माया की आंखें तो फटी-सी रह गईं। इतना बड़ा फ़ार्महाउस, ढेर सारे पेड़-पौधे तो पहले से भले लग रहे हैं। अब उसे क्या करना है, माया सोचने लगी। जोगिंदर ने उसका चेहरा पढ़ लिया। बोला, "हरी घास भी तभी अच्छी लगे, अगर वह मखमल जैसी हो। मैं घास में पानी लगाने जा रहा हूं, तू तब तक झाड़ू से सूखे पत्ते बुहार ले। सूरज को कहीं भी छोड़ दे, भागता-फिरता रहेगा। यहां किसी बात का डर नहीं, इतना बड़ा तो मैदान है।" माया की समझ में कुछ-कुछ आने लगा था। जोगिंदर ने बताया था कि बाबूजी दिन में दो-तीन बार आ सकते हैं। हमें काम करते देख ख़ुश हो जाएंगे। जोगिंदर की बात तो सच्ची है, माया ने सोचा, इतनी बड़ी जगह है, कहीं न कहीं तो वह बुहारती रहेगी। बाक़ी आगे का तो बाबूजी आकर बताएंगे ही। सूरज का तो ख़ूब मन लग रहा बस, इधर-उधर दौड़ता रहा और आखिर में माया के पास आकर बोला, "मैं कुछ लाया हूँ....दिखाऊं क्या?"

"क्या लाया है, दिखा तो।" माया तो कभी सोच ही न पाती कि वह क्या लाया है। सूरज ने मुट्ठी खोली तो माया अवाक, "हे राम! तू भी तितली पकड़कर ले आया। अरे, क्या ज़रूरत थी। देख तो, बेचारी कैसे तड़प रही है।" माया ने झट से तितली को अपने हाथों में लिया और गुलाब के बड़े से फूल के ऊपर रख दिया। सूरज की हथेली अपने दुपट्टे से पोंछती बोली, "तितलियां देखने के लिए होती हैं। पकड़ने के लिए नहीं।"

अब तक जोगिंदर पास आ गया था। माया की पीठ पीछे खड़ा सारा तमाशा देख रहा था। तपाक से माया के सामने आकर खड़ा हो गया और कमर पर दोनों हाथ रखता बोला, "कैसी बात करती है री तू! तितलियां पकड़ने के लिए ही होती हैं। वो तो हमारे हाथ आ नहीं पातीं, इसलिए हम ऐसा कह देते हैं।"

"बस-बस, बाप-बेटे मिलकर तितलियां पकड़ते रहो।" पाली स्कूल से आ गया था। जोगिंदर ने उसे समझा दिया था कि स्कूल के बाद सीधे बाबूजी के फार्म हाउस में आ जाएगा।

माया नाराज़ होती बोली थी, "बच्चा है, इतनी दूर अकेले कैसे पहुंचेगा।"

"अरे, अब यह बच्चा नहीं रहा। मैंने इसे दो बार रीगल सिनेमा में घुसते देखा है। स्कूल के बाद दोस्तों के साथ वहां नई फिल्म के पोस्टर देखने जाता है।"

पाली झेंप-सा गया। कैसे उसके बाप ने उसकी चोरी पकड़ ली। रीगल तक का रास्ता तो उसे पता था, आगे का रास्ता जोगिंदर ने समझा दिया।

पाली अवाक रह गया। सिर से पांव तक कांप गया। बड़ा आदमी बनने के लिए वह तितलियां पकड़ने का बहाना कर लोगों से लूटमार किया करता है। आज के घने कोहरे में कहीं बापू की गर्दन पर उसकी उंगलियों के निशान तो नहीं पड़ गए?

जोगिंदर उसे समझा रहा था और पाली मन ही मन मुस्कुरा रहा था।

"देख रे, कितना सुंदर फार्म हाउस।" जोगिंदर अपनी ख़ुशी ज़ाहिर कर पाली को भी ख़ुश देखना चाहता था। पाली ने तो सीधे से मुंह बिचका दिया, "यह कौनसा अपना है।"

"अरे, कैसी बात करता है तू। ऐसी चीज़ तो बड़े लोगों की होती हैं। हम बड़े लोग नहीं है रे।" जोगिंदर बुझी आंखों से पाली के चेहरे की ओर देखने लगा तो पाली एकाएक बोल उठा, "मैं तुम्हें बड़ा आदमी बनकर दिखाऊंगा।" कहते हुए पाली वहां से भाग गया और सूरज के साथ-साथ वह भी तितलियों के पीछे दौड़ने लगा। माया तो उसे यूं दौड़ते देखा हंस-हंसकर पागल-सी हो आई, "इतना बड़ा हो गया यह, तितलियां पकड़ने से बाज़ नहीं आया।"

दिन, सप्ताह, महीने गुज़र गए। इधर पाली के इम्तिहान ख़त्म हुए, उधर बाबूजी ने जोगिंदर की पक्की नौकरी का एलान कर दिया। पगार भी बढ़ा दिया और अगले छह महीने के अंदर उनके लिए पक्की छत बनवा देने का भी वादा किया। जोगिंदर और माया ख़ुशी से फूले नहीं समा रहे थे। शाम को जोगिंदर और माया सामान समेट रहे थे तो बाबूजी आ गए। जोगिंदर कुछ अदब से खड़ा हो गया तो बाबूजी बोले, "तुम जा रहे हो क्या?" "हां साहब, पांच बज रहे हैं, कोई हुकुम हो तो कहिएगा।" बाबूजी माया की ओर देखते बोले, "शाम को मेरे कुछ मेहमान आ रहे हैं। जोगिंदर थोड़ी देर रुक जाएगा, तुम अकेली जा सकती हो।" "कोई दिक्क़त नहीं साब।" जोगिंदर और माया के मुंह से एकसाथ ये शब्द निकले तो बाबूजी मुस्कुरा दिए। माया के चलते-चलते जोगिंदर ने उसे पचास का नोट पकड़ा बच्चों के लिए कुछ मीठा लेती जाने को कहा। "मैं तो रोटी-पानी ख़ाकर ही आऊंगा। तुम बच्चों को खिला देना, ख़ुद भी खा लेना।" जोगिंदर की जुबान से क्या-क्या शब्द फूट रहे थे, माया मन ही मन फूली न समा रही थी।

माया घर पहुंची तो पाली बाहर को निकल रहा था। उसे रोकती हुई माया बोली, "तू कहां जा रहा है रे?" "मैं!" पाली की जुबान लड़खड़ा-सी आई, "मैं तितलियां पकड़ने जा रहा हूँ।"

"इस वक्त कौनसी तितलियां उड़ती हैं रे?"

"आजकल तो तितलियां रात में भी उड़ती हैं, मां।" पाली कहता हुआ भाग गया। माया देर तक हंसती रही, कैसा बावला हो गया है। कहता है, आजकल रात को भी तितलियां उड़ती हैं।

माया रसोई में आकर दाल-भात बनाने लगी। दाल-भात बनाने में कौन-सी देर लगी। एक घंटे में सारा भोजन तैयार। पाली आ जाए तो उसे गरमा-गरम परोस देगी। बाद में मिठाई का डिब्बा खोलेगी। देखो, कैसे उछल पड़ेगा।

जोगिंदर पगार भी लाएगा, और बाबूजी कह रहे थे, कुछ बड़े-बड़े लोग आ रहे हैं। फिर तो बख़्शीश भी अच्छी मिल जाएगी। नौ बज रहे हैं। पाली अभी तक न आया। बाहर ठंड और कोहरा भी ख़ूब पड़ने लगा है। कहीं बीमार हो गया तो जोगिंदर तो उसे ही डांटेगा। माया बार-बार दरवाज़े की ओर जा रही थी। लो, पाली आ गया। कुंडी तो ऐसे खड़का रहा है, जैसे तोड़ ही डालेगा। "अरे, आ रही हूं ना। क्या दरवाज़ा तोड़ने का इरादा है?"

माया ने दरवाज़ा खोला तो एक लंबी चीख़ उसके मुंह से निकल गई। चार-छह लोग जोगिंदर को पकड़े बाहर खड़े थे। जोगिंदर की गर्दन से ख़ून टपक रहा था।

कोई एक आदमी बोला, "किसी ने इसकी गर्दन पर चाकू से रेत डाला है। हम इसे अस्पताल लेकर जा रहे हैं।"

माया छाती पर दोहत्थड़ मार फूट पड़ी, "हाय राम! किसने मार डाला मेरे आदमी को?"

गली-मोहल्ला इकट्ठा हो गया था। तभी भीड़ को चीरता हुआ पाली आगे आया तो माया चिल्ला पड़ी, "अरे तू तितलियां पकड़ता फिरता है, पकड़ना है तो उसे पकड़, जिसने तेरे बापू को मार डालने की कोशिश की।"

पाली अवाक रह गया। सिर से पांव तक कांप गया। बड़ा आदमी बनने के लिए वह तितलियां पकड़ने का बहाना कर लोगों से लूटमार किया करता है। आज के घने कोहरे में कहीं बापू की गर्दन पर उसकी उंगलियों के निशान तो नहीं पड़ गए? वह भीतर की ओर भागा और जेब में रखा बटुआ निकाल देखने लगा। अरे, यह तो बापू का ही बटुआ है। पाली ने झट से पैंट की पिछली जेब से चाकू निकाला। एक पल तो मन में आया, इस चाकू को अपने सीने में उतार दे। लेकिन अगले ही पल मन ही मन खुद को गाली देता हुआ उसने चाकू दराज़ के पीछे छुपा दिया। एक बार उसने दीवार से सर पटका, फिर बाहर की ओर लपकता हुआ चिल्लाया, "मैं अस्पताल जा रहा हूं मां!"

कविता | पं. कमल कांत भारद्वाज

फागुन : मेरे मन का उत्सव

फागुन की आई कोमल बेला,
चारों ओर खुशियों का मेला,
धरती ने हरियाली ओढ़ी,
जैसे मुस्कराता हो कोई अकेला।

बगिया में पंछी झूम रहे हैं,
डाल-डाल गीत सुनाते हैं,
हवा छूकर मन के तारों को
अनकहे भाव जगाते हैं।

अबीर-गुलाल हवा में घुलकर,
उल्लास का रंग बिखेर गए,
हँसी, ठिठोली, भीगे पल—
जीवन के सच सिखा गए।

अचानक बादल घिर आए,
फागुन में सावन उतर आया,
भीगी मिट्टी, भीगा मन,
हर बदलाव कुछ कह गया।

समझ लिया मैंने इन लम्हों में—
सौंदर्य बस दिखता नहीं,
प्रकृति से जुड़कर जीना ही
जीवन का सच्चा अर्थ सही।

कविता | मोनिका शर्मा

चेहरों के भी जुदा रंग

भाषा का भी एक ककहरा होता है
पर भावों का अपना औरा होता है

चेहरों के भी खूब जुदा होते हैं रंग
कुछ चेहरों का रंग सुनहरा होता है

कुछ पानी के भीतर गहरे दिखते हैं
कुछ के भीतर पानी गहरा होता है

कुछ के पैरों में भी घुंघरू बजते हैं
कुछ घुंघरूओं पर पहरा होता है

कुर्सी वाले तख़्त ओ ताज ले जाते हैं
कब मेहनत के सर पर सेहरा होता है

नदिया के भीतर भी नदिया बहती है
सहरा के भीतर इक सहरा होता है

कहीं बेटी कुल की लाज निभाती है
कहीं बेटा कुल का ज़हरा होता है

कुछ आँखों का पानी भी मर जाता है
कुछ आँखों का पानी ठहरा होता है।

कविता | वीणा अग्रवाल

ऋतुराज बसंत

चेहरे पर उल्लास हर्ष जन मन में छाया है
ऋतुओं का सरताज बसंत का मौसम आया है

सर्दी में जो ठिठुर रहे थे झोंपड़ पट्टी वाले
राम ही जाने ये निष्ठुर दिन कैसे रोज निकाले
फूल से कोमल बच्चों को अब आनंद आया है
ऋतुओं का ...

रंग बिरंगे पुष्पों की खुशबू से महकी क्यारी
जीव जंतु वन उपवन में अब सब पर चढ़ी खुमारी
सूरज दादा छिपा था जो अब सामने आया है
ऋतुओं का सरताज ...

पीली पीली सरसों अपनी मादकता बिखराए
हरित आम के पेड़ों पर कोयलिया गीत सुनाए
भ्रमर और तितली ने अपना राग सुनाया है
ऋतुओं का सरताज ...

ना गर्मी ना सर्दी,खुश होते है सब नर नारी
धरती मां खिल उठी,आज वह भूली पीड़ा सारी
धरती से अंबर तक कण कण मुसकाया है
ऋतुओं का सरताज ...

चेहरे पर उल्लास हर्ष जन मन में छाया है
ऋतुओं का सरताज बसंत का मौसम आया है।

सफलता पाने का शॉर्टकट...यस सर !

ज्यादातर लोग समझ ही नहीं पाते कि एक सामान्य 'नो सर' उनके करियर को असामान्य रूप से प्रभावित कर सकता है। उन्हें ये कला सीखने की ज़रूरत है कि किसी आदेश को मना 'यस सर' कह कर भी किया जा सकता है। यस सर कल का पैदा हुआ कोई नया जुमला नहीं है।

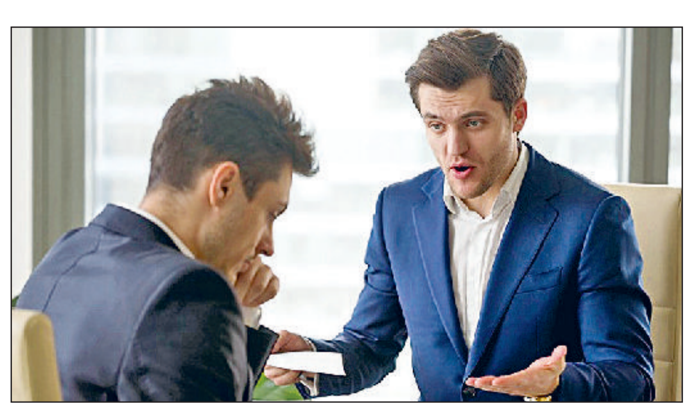

कल्पना कीजिए कोई बॉस किसी मीटिंग में कहता हो कि सफ़ेद कौआ होता है और उसका अधीनस्थ समर्थन में यस सर बोल दे। अधीनस्थ का क्या नुकसान हुआ? मगर उस बॉस की ख़ुशी का अंदाज़ा कोई नहीं लगा सकता। बॉस के झूठ का समर्थन कर उसने भविष्य की कितनी ही छुट्टियां आज ही अप्रूव करवा लीं, हाजिरी लगा के घूमने जाने की अनेक अनुमति प्राप्त कर लीं। ऐसे अधीनस्थ अपने बॉस को न केवल अपने सगे-संबंधियों से ज्यादा प्रिय होते हैं, बल्कि कुछ मामलों में प्रातः स्मरणीय भी हो जाते हैं।

व्यंग्य

विनीत पांडेय

यस सर ..! यह सिर्फ दो शब्दों की स्वीकारोक्ति नहीं है, यह मंत्र है। मंत्र क्या महामंत्र है, आप इस मंत्र की शक्ति का अंदाज़ा भी नहीं लगा सकते। इसका प्रयोग सुपर बैड होते हुए भी आपको अपने बॉस के गुड बुक में रख सकता है। अव्वल दर्जे के कामचोर को भी सर्वाधिक काम का आदमी साबित कर सकता है। नौकरी हो या बिजनेस, जिसे ये बात समझ आ गयी कि उसका बॉस असंभव काम के निर्देश पर भी 'यस सर' सुन कर रोमांचित हो उठता है, उसकी तरक्की कोई नहीं रोक सकता।

यस सर को दरअसल, अकड़ के साथ तेल का कनस्तर उलट के मालिश करने का दर्जा उसी तरह मिला हुआ है, जैसे किसी संस्था का अध्यक्ष बनने पर राज्य मंत्री का दर्जा मिल जाता है। हालांकि ये भी मिलता यस सर की ही बदौलत है। एक अनुभवी यस सर वाचक ने बताया कि यस सर जिंदगी के हां और नहीं के बीच शॉर्टकट से सीधे लक्ष्य तक पहुंचने की वो पगडण्डी है जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है।

ज्यादातर लोग समझ ही नहीं पाते कि एक सामान्य 'नो सर' उनके करियर को असामान्य रूप से प्रभावित कर सकता है। उन्हें ये कला सीखने की ज़रुरत है कि किसी आदेश को मना 'यस सर' कह कर भी किया जा सकता है। यस सर कल का पैदा हुआ कोई नया जुमला नहीं है। सैकड़ों साल पहले भी जी महाराज और जी हुज़ूर का अस्तित्व रहा है। अंग्रेजों के आने के बाद यस सर ने जितनी तेज़ी से अपनी जगह बनाई, उससे सिद्ध होता है कि यह दुनियाभर में इतनी ही लोकप्रियता के साथ विद्यमान रहा है। यस सर कहने वाले को हमेशा अपने वरिष्ठों के अगल-बगल रहने का विशेषाधिकार प्राप्त होता है, जिसकी वजह से अकेले में भी उसका भौकाल बना रहता है। दुनिया में यस सर जैसा दूसरा कुछ भी नहीं है, यह एक साथ सबको संतुष्ट कर देता है। कितना अद्भुत जुमला है जिसे बोलने वाला भी खुश और सुनने वाला भी जबकि वो जिस चीज़ के लिए बोला-सुना जा रहा है, वो होने वाला नहीं है, ये बात दोनों जानते हैं। बॉस को पता होता है कि कौन सा यस सर हामी है और कौन सा अस्वीकृति, पर सुनना उसे यस सर ही होता है।

कारण भी स्पष्ट है, बॉस अपने तब के बॉस को यस सर कह कर बॉस बना है और अब के बॉस को यस सर कह कर बॉस बना हुआ है। कर्णप्रिय होना इस जुमले की असली ताकत है, इसका लगातार प्रयोग बॉस को हमेशा सही होने के भ्रम में बनाए रखता है। यस सर कहने वाले तो रिटायर हो जाते हैं पर यस सर रिटायर नहीं होता। ये वो विरासत है जिसे आने वाला समझदार व्यक्ति जाने वाले अनुभवी व्यक्ति से ग्रहण करता है और इसका सुख भोगता है। जग के सकल पदार्थ भले कर्महीन नर को प्राप्त नहीं होते पर आराम से जीवन व्यतीत करने के लिए आवश्यक वातावरण यस सर कहने वाला प्राप्त कर लेता है। इस महामंत्र का जाप करने वाला नौकरशाही के नुकीले दांतों के बीच जीभ की तरह रसास्वादन करने में सिद्ध हो जाता है। यस सर की घिसावट में प्रवीण व्यक्ति के लिए, सिस्टम अलादीन के चिराग से कम नहीं। वो इसे घिस कर ऑफिस में फाइलों पर कलम घिसने वाले अपने समकक्षों से उड़ने वाली कालीन पर बैठ कर आगे निकल जाता है।

कल्पना कीजिए कोई बॉस किसी मीटिंग में कहता हो कि सफ़ेद कौआ होता है और उसका अधीनस्थ समर्थन में यस सर बोल दे। अधीनस्थ का क्या नुकसान हुआ? मगर उस बॉस की ख़ुशी का अंदाज़ा कोई नहीं लगा सकता। बॉस के झूठ का समर्थन कर उसने भविष्य की कितनी ही छुट्टियां आज ही अप्रूव करवा लीं, हाजिरी लगा के घूमने जाने की अनेक अनुमति प्राप्त कर लीं। ऐसे अधीनस्थ अपने बॉस को न केवल अपने सगे संबंधियों से ज्यादा प्रिय होते हैं बल्कि कुछ मामलों में प्रातः स्मरणीय भी हो जाते हैं। सुबह-सुबह देश दुनिया की ख़बरों से ले कर ऑफिस के कामकाज तक के लिए पहला फोन ऐसे ही अधीनस्थों के पास जाता है। इसमें कोई बुराई नहीं, नौकरी में बॉस के झूठ का विरोध कर टारगेट पर आने की बजाए समर्थन कर लाभ हासिल करना ही असली आर्ट ऑफ़ लिविंग है। यदि एक यस सर कह कर आपके चेहरे पर मुस्कराहट बनी रह सकती है, बिना किसी योग-दवाई के आपका चित्त प्रसन्न रह सकता है तो खामखा उसूलों की निंद्रा भंग क्यों करना। बात अगर वाकई उसूलों पे आंच आए तो टकराना ज़रूरी है, टाइप हो जाए तो मिठाई की कीमत बढ़ाने वाले वर्क की तरह, इस सार्वभौमिक उसूल की परत मूल उसूल पर चढ़ा देनी चाहिए कि जिसकी खाओ, उसकी गाओ। सही गलत के लफड़े में उलझना ही क्यों? यस सर बोलो और छुट्टी पाओ।

हो डगर कितनी भी कठिन, हार मत स्वीकार कर...

पुस्तक : हार मत स्वीकार कर
कवि : अश्वनी कुमार
मूल्य : 199 रुपये
प्रकाशक : कनुप्रिया पब्लिशर्स, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा | **डॉ. विजेंद्र कुमार**

बहुमुखी प्रतिभा के धनी, मृदुभाषी कवि अश्वनी कुमार की काव्य कृति 'हार मत स्वीकार कर' में 92 गीतिकाएं संगृहीत हैं। यह काव्य कृति भारतीय संस्कृति के शाश्वत एवं उज्ज्वल उद्घोष का शंखनाद प्रतीत होती है कि अपनी शब्द तूलिका से कवि विविध रंगी बिंब विधानों का सृजन करता है। कृति में परमात्मा के प्रति अटूट आस्था, माता-पिता का समादर, सहअस्तित्व एवं सदाचार, करुणा, प्रेम, दया आदि उदात्त भावों को मानव-जीवन का असली लक्ष्य प्रतिपादित किया गया है। व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र के उत्थान का दर्द उनकी रचनाधर्मिता के केन्द्र में है। माता-पिता को समर्पित एक गीतिका में कवि कहता है;

जीवन सृजन करते भले, भगवान हो लेकिन/
लेता तुम्हारी कोख में आकार है अम्मा!

पिता के महत्व को कवि इस प्रकार रेखांकित करता है :

उठाते थे अकेले बोझ, वो परिवार का अपने।
नहीं अपना सलीके से, उठा सामान पाए हम।।

जीवन के कटुयथार्थ तथा आपादाओं से निरन्तर संघर्ष करते रहना ही मानव का धर्म है, उसे संकट या विपत्ति से कभी भी हार नहीं माननी चाहिए :-

मुश्किलों के साधने का नाम ही है जिंदगी।
डर गया जो देख के हालात, वो इंसान क्या?

जीवन में सकारात्मकता और विश्वास के महत्त्व का प्रतिपादन करते हुए वे असफलता व निराशा का जीवन में त्याग करने का अह्वान करते हुए कहते हैः-

रात बीती को भूला अब भोर से तू प्यार कर।
कर नई शुरूआत प्यारे, हार मत स्वीकार कर।।

आपसी प्रेम व भाईचारे की सघन हरियाली से सरोबार गांव की बदली हुई दशा से कवि दुखी है। जिस तरह गांवों में भी छल, कपट व द्वेष फैल गए हैं, उसी तरह गांवों में वृक्षों की कटाई भी पर्यावरणीय असंतुलन का कारण है :-

सुख घना था, नीम की जो ठांव में।
अब नहीं मिलता मजा वह गांव में।।
दरक गई है आज हवेली, कड़ियां छत की टूट रही।
संबंधों की नींव समाई, रार कपट-चतुराई में।।

प्रेम और सद्भाव ही मानव सभ्यता का सार तत्व है। मानव सभ्यता जितनी इन दोनों से दूर होती जायेगी उतनी ही वह विनाश और पतन के करीब होती चली जायेगी। इसीलिए कवि आह्वान करता है :-

बांसुरी जिसकी जगाए, प्रेम मन में आस्था।
पूज्य वो रसखान सा, चितचोर ढूंढो साथियों।।

अश्वनी की भाषा सहज, स्वाभाविक और लखनऊ का मिठास लिए है। सीधे दिल को छूने वाली इन कविताओं में कहीं पांडित्य प्रदर्शन की लालसा नहीं है। अभिव्यक्ति की सहजता, कथ्य की ईमानदारी और मानवतावादी दृष्टिकोण इस कृति के विशेष आकर्षण है। हमारी युवा पीढ़ी की प्रेरणा के लिए यह एक सफल कृति सिद्ध होगी। इस सार्थक कृति के लिए कवि अश्वनी कुमार को साधुवाद।

राव मंगलीराम पार्क में भगत सिंह बस्ती द्वारा हिंदू सम्मेलन का हुआ आयोजन

शहर में निकाली भव्य कलश यात्रा, शिव शंकर की झांकी रही आकर्षण का केंद्र

झज्जर। कलश यात्रा के दौरान उपस्थित भगवान शिव और माता पार्वती का रूप धारण किए हुए कलाकार। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को राव मंगलीराम पार्क में भगत सिंह बस्ती द्वारा हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता महंत परमानंद गिरी महाराज, महंत मृत्युजंय गिरी महाराज, महंत जगपाल दास महाराज, महंत गोपाल नाथ महाराज, महंत रमेश गिरी महाराज व महंत अजयदास महाराज ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ कलश यात्रा निकाल कर की गई। नगर खेड़ा बाबा प्रसाद गिरी महाराज मंदिर परिसर से सैकड़ों की संख्या में सौभाग्यशाली महिलाओं ने कलश यात्रा में भाग लिया। डीजे पर भक्तिमय गीतों पर नाचते हुए श्रद्धालु राव मंगलीराम पार्क पहुंचे। वहीं भगवान शिव शंकर और माता पार्वती की मनमोहक झांकी आकर्षण का केंद्र रही। आयोजक समिति सदस्यों द्वारा महान स्वतंत्रता सेनानी राव मंगली राम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और राव मंगलीराम की जय, राव मंगलीराम अमर रहे के जयकारे लगाए। वक्ताओं ने उपस्थित लोगों को एकजुट रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गांवों, शहरों और महानगरों में हिन्दू सम्मेलन आयोजित कर समाज को संगठित और जागरूक करने का अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने सनातन धर्म के मूल सिद्धांतों, पारिवारिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन पर भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें काफी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

शहर में निकली खाटू श्याम निशान यात्रा

झज्जर। श्री श्याम दुलारे मित्र मंडल व मुलतान सेवा सभा द्वारा रविवार को शहर में श्रीखाटू श्याम की भव्य निशान यात्रा निकाली गई। श्रीराम धर्मशाला से शुरू हुई यह तृतीय श्रीखाटू श्याम निशान यात्रा शहर के विभिन्न चौक-चौराहों से होते हुए वापिस धर्मशाला परिसर पहुंची। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्याम ध्वजा लेकर शामिल हुए। भजन गायक योगेश रंजन ने हाथ जोड़ के बोलू दर्जी, दिखा तेरी चतुराई भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर किया। निशान यात्रा के आयोजक जगदीश कटारिया ने बताया कि निशान की पूजा करके जनकल्याण की कामना के साथ श्रीराम धर्मशाला से शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा में रथ पर विराजमान श्रीखाटू श्याम की भव्य प्रतिमा आकर्षण का केंद्र रही। सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर पंडित पवन शर्मा, बनवारी लाल शर्मा, संजय मक्कड़, मुकेश पोपली, भूषण चुघ, दीपक मक्कड़, अशोक गेरा, प्रवीण सुखीजा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। निशान यात्रा के दौरान रथ पर सजाई गई बाबा खाटूश्याम की प्रतिमा।

खाटू धाम के लिए रवाना चलायमान औषधालय

बहादुरगढ़। चलायमान औषधालय को खाटू धाम के लिए रवाना करती निर्मला देवी। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। पुराने औद्योगिक क्षेत्र स्थित नर सेवा नारायण सेवा संस्थान से श्याम भक्तों की सेवा के लिए चलायमान औषधालय रविवार को खाटू धाम राजस्थान के लिए रवाना हुआ। इस अवसर पर वातावरण जय श्री श्याम के भक्तिमय जयकारों से गूंज उठा। बवाना निवासी निर्मला देवी ने हरी झंडी दिखाकर चलायमान औषधालय को खाटू धाम के लिए रवाना किया। खाटू में लगने वाले मेले में देश के कोने-कोने से लाखों श्रद्धालु बाबा श्याम के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि नर सेवा नारायण सेवा संस्थान द्वारा रींगस में निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर श्रद्धालुओं की सेवा करना अत्यंत पुण्य एवं सराहनीय कार्य है। वैद्य देवेंद्र रोहिल्ला द्वारा वर्ष 1980 से विभिन्न धार्मिक मेलों और तीर्थ स्थलों पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर सेवा कार्य कर रहे हैं। रोहिल्ला ने बताया कि 22 से 28 फरवरी तक रींगस में शिविर लगाकर श्याम भक्तों को निःशुल्क उपचार एवं दवाइयां उपलब्ध कराई जाएंगी। इस अवसर पर आनंद रोहिल्ला, डॉ. स्नेहप्रकाश, डॉ. राहुल, डॉ महेंद्र मुदगिल, डॉ अशोक चोपड़ा, आशा रानी बुलंदशहर, ज्योति, विनीता, अंजना देवी, नीलम, सत्यदेव रोहिणी, विनोद पोद्दार, रवि रोहिल्ला, रामनिवास, सुशील रोहिल्ला व हरीश चंद्र आदि उपस्थित रहे।

झज्जर। बैठक में उपस्थित मंदिर समिति सदस्य एवं पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

बाबा कांशीगिरी मंदिर में हिंदू सम्मेलन और शोभायात्रा कल

तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

हिन्दू सम्मेलन समिति की लाला लाजपतराय बस्ती द्वारा मंगलवार को बाबा कांशीगिरी महाराज मंदिर में हिंदू सम्मेलन एवं शोभा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक सुधांशु हंस व आशीष चावला ने बताया कि सम्मेलन की तैयारियों को लेकर मंदिर परिसर में बैठक का आयोजन किया भी गया। सम्मेलन की अध्यक्षता बाबा प्रसाद गिरी मंदिर के महंत परमानंद गिरी महाराज, महंत रमेशगिरी महाराज व मृत्युजंय गिरी महाराज द्वारा की जाएगी। कार्यक्रम का शुभारंभ सायं पांच बजे बाबा प्रसादगिरी मंदिर से संतों के नेतृत्व में शोभायात्रा से किया जाएगा जो मंदिर से शुरू होकर चौपटा बाजार, मां वैष्णों चौक से होते हुए बाबा कांशीगिरी मंदिर पहुंचेगी। मुख्य वक्ता के रूप में रोहतक के सह विभाग कार्यवाह विक्रम उपस्थित रहेंगे जबकि श्री प्रेम मंदिर के प्रधान उमेश नंदवानी, मुलतान सभा के प्रधान प्रवीण सुखीजा, झंग सभा के प्रधान कृष्ण लाल शर्मा कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इनके अलावा डॉक्टर शंकर ग्रोवर, रोशन लाल निरंकारी, विनित पोपली, नरेंद्र मदान भी विशिष्टातिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

ये रहे मौजूद

बैठक में पंडित पवन कौशिक, वेद बहल पाशु, पंकज शर्मा, ईश्वर सिंघल, योगेश रंजन, भारत भूषण नंदा, राजेंद्र वधवा, देवेश शर्मा, संजय मक्कड़, अशोक गेरा, भूषण चुघ, प्रदीप गुलाटी, विनोद भूटानी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

व्यसन मुक्ति का संदेश देते हुए निकाली गई शांति यात्रा

- ब्रह्माकुमारी संस्था ने सेक्टर-9ए में 15 फुट ऊंचे शिवलिंग के साथ निकाली शोभायात्रा

बहादुरगढ़। शांति यात्रा में शामिल विधायक, चेयरपर्सन व पार्षद।

बहादुरगढ़। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वर विश्वविद्यालय की सेक्टर-13 शाखा द्वारा सेक्टर-9 में व्यसन मुक्ति अभियान के अंतर्गत शांति यात्रा निकाली गई। विधायक राजेश जून, चेयरपर्सन सरोज राठी तथा पार्षद मनीषा धनखड़ ने इस यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा के दौरान आध्यात्मिकता से स्वयं को व्यसन मुक्त बनाने और मन-समाज में शांति स्थापित करने का आह्वान किया गया। सेक्टर-9ए में 15 फुट ऊंचे शिवलिंग की शोभायात्रा निकाली गई। बहादुरगढ़ की मुख्य प्रशासिका बीके अंजलि दीदी ने बताया कि राजयोग के माध्यम से हम अपने आप को किसी भी प्रकार के व्यसन से मुक्त रख सकते हैं। विधायक राजेश जून ने कहा कि परमात्मा हमें हर प्रकार के व्यसन से मुक्त रहने की शक्ति देते हैं। चेयरपर्सन सरोज राठी ने कहा कि नशे से दूर रहकर हम अपने जीवन को सुख शांति संपन्न बना सकते हैं। पार्षद मनीषा धनखड़ ने कहा कि अध्यात्म को अपनाकर ही हम स्वयं को पांच विकारों से मुक्त रख सकते हैं। शोभायात्रा के दौरान अधिवक्ता राजेश सैनी, पॉलीक्लिनिक के एसएमओ डॉ. मधुप सेठी, एडिशनल सीएमओ डॉ. सुशील, क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट के मेंबर वजीर सिंह दहिया, बीएसएनएल से कुलवंत, डॉ सुरेंद्र गोयल, एमएस रोहिल्ला, श्री भगवान, नीरज आदि मौजूद रहे।

हवन व भंडारे के साथ संपन्न हुई कथा

बहादुरगढ़। कथा समापन पर झूमते मंदिर पदाधिकारी व श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। शहर के श्री सनातन धर्म महावीर मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का रविवार को भक्तिमय वातावरण में विधिवत समापन हो गया। रविवार सुबह हवन के उपरांत कथा संपन्न हुई। फिर अमृतमय भंडारा हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे मंदिर परिसर में भक्ति रस की गूंज सुनाई दी। कथावाचक हित शरण अतुल कृष्ण शास्त्री ने कथा के अंतिम दिवस में भगवान श्रीकृष्ण की द्वारिका लीला, सुदामा चरित्र, राजा परीक्षित मोक्ष प्रसंग और नाम संकीर्तन का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि सुदामा चरित्र हमें सच्ची मित्रता, समर्पण और भक्ति का संदेश देता है, वहीं परीक्षित मोक्ष प्रसंग जीवन की नश्वरता और भगवान के नाम की महिमा को दर्शाता है। कथा विश्राम के दौरान श्रद्धालु भजन-कीर्तन में झूम उठे। इसके पश्चात विधिपूर्वक कलश वितरण किया गया। समापन कार्यक्रम के अंत में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। प्रधान जगदीश ऐलावाधी, तरुण चुघ, देवराज पुनहानी, मुरारी लाल बत्रा, अशोक मोंगा, शमशेर ठुकराल, संजय भाटिया, अशोक दुआ, संतलाल गांधी, सुरेश छाबड़ा, यशपाल ईश्पुनहानी और कुलभूषण खुराना आदि ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे धार्मिक आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

न्यूज डायरी

सोलधा गांव के बालाजी मंदिर में भंडारा

बहादुरगढ़। गांव सोलधा स्थित बालाजी मंदिर में आयोजित विशाल देसी घी के भंडारा कार्यक्रम में विधायक राजेश जून ने भी शिरकत की। ग्रामीणों ने भव्य स्वागत करते हुए पगड़ी बांधकर तथा स्मृति-चिह्न भेंट कर विधायक को सम्मानित किया। विधायक राजेश जून ने श्रद्धापूर्वक भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया और अपनी तरफ से 11 हजार रुपये की धनराशि दान स्वरूप मंदिर कमेटी को भेंट की। इस अवसर पर भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन बंटी व सरपंच प्रतिनिधि प्रदीप काजला समेत अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

बाबा रामानंद की स्मृति में कबलाना में वार्षिकोत्सव 25 को

झज्जर। क्षेत्र के गांव कबलाना में बुधवार को विशाल कुश्ती दंगल, रागिनी कंपीटिशन व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। सरपंच प्रतिनिधि हंसबीर कोडान ने बताया कि उनकी गांव की ओर से बाबा रामानंद की स्मृति में रामानंद ब्रह्मचारी आश्रम में किया जाना वाला यह 86वां आयोजन होगा। विशाल कुश्ती दंगल में पहली इनामी कुश्ती 1 लाख 21 हजार रुपये की होगी वहीं दूसरी कुश्ती 71 हजार तथा तीसरी कुश्ती 51 हजार रुपये की होगी। इसके अलावा 31 सौ रुपये से लेकर 21 हजार रुपये तक की अनेक छोटी-बड़ी कुश्तियां भी कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि पहली कुश्ती के लिए पहलवान दिनेश गोलिया व शेरा गुर्जर के बीच होने वाला महा मुकाबला आकर्षण का केंद्र रहेगा। दंगल में पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इनके अलावा गजे सिंह कबलाना, भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि, जिला परिषद चेयरमैन कप्तान बिरधाना, संजय कबलाना सहित अनेक नेता एवं कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया गया।

विवाद को तूल नहीं देने की अपील

बहादुरगढ़। हरियाणवी गायक मासूम शर्मा और सरपंचों के बीच चल रहे विवाद को लेकर बहादुरगढ़ सरपंच संगठन के प्रधान अशोक राठी ने सभी पक्षों से संयम बरतने और विवाद को तूल न देने की अपील की है। अशोक राठी ने कहा कि सामाजिक और सार्वजनिक मंचों पर किसी भी प्रकार की बयानबाजी से बचना चाहिए, क्योंकि इससे अनावश्यक तनाव बढ़ता है और समाज में गलत संदेश जाता है। उन्होंने कहा कि अगर किसी प्रकार की गलतफहमी या मतभेद हैं तो उन्हें आपसी संवाद के माध्यम से सुलझाया जाना चाहिए, न कि मीडिया या सोशल मीडिया के जरिए। उन्होंने सरपंचों से भी अपील की कि वे धैर्य और समझदारी का परिचय दें तथा गांवों के विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित रखें। वहीं कलाकारों और जनप्रतिनिधियों को भी अपनी भाषा और व्यवहार में मर्यादा बनाए रखने की सलाह दी।

ट्रामा सेंटर में बिजली गुल रहने से सेवाएं हुईं प्रभावित

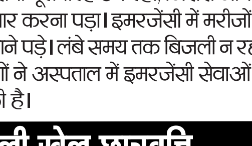

बहादुरगढ़। नागरिक अस्पताल के ट्रामा सेंटर में रविवार को कई घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं। बिजली न होने के कारण इमरजेंसी वार्ड में अंधेरा छाया रहा और मरीजों व स्टाफ को परेशानियों का सामना करना पड़ा। बिजली गुल होने से एक्स-रे सेवा पूरी तरह ठप रही, जिससे जांच के लिए आए मरीजों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। इमरजेंसी में मरीजों के रजिस्ट्रेशन कार्ड भी मैनुअल तरीके से बनाने पड़े। लंबे समय तक बिजली न रहने से इन्वर्टर भी जवाब दे गए। स्थानीय लोगों ने अस्पताल में इमरजेंसी सेवाओं के लिए बेहतर बैकअप व्यवस्था की मांग की है।

सांसद धर्मबीर ने खेलों के विकास पर की चर्चा

- हरियाणा के तैराक लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे

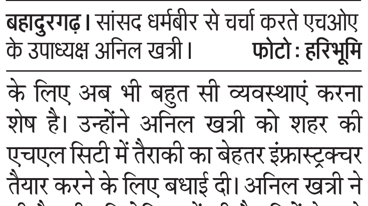
बहादुरगढ़। सांसद धर्मबीर से चर्चा करते एचओए के उपाध्यक्ष अनिल खत्री। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। भाजपा सांसद एवं हरियाणा तैराकी संघ के प्रधान धर्मबीर सिंह रविवार को बहादुरगढ़ पहुंचे। यहां उन्होंने हरियाणा ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष एवं हरियाणा तैराकी संघ के महासचिव अनिल खत्री के साथ खेल और खिलाड़ियों की सुविधाओं के विकास पर चर्चा की। सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि हरियाणा के तैराक लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी की अगुवाई में नई खेल नीति बनाकर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया गया है। हरियाणा सरकार भी खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाएं मुहैया करवा रही है। हालांकि खेल और खिलाड़ियों के लिए अब भी बहुत सी व्यवस्थाएं करना शेष है। उन्होंने अनिल खत्री को शहर की एचएल सिटी में तैराकी का बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए बधाई दी। अनिल खत्री ने भी तैराकी प्रतियोगिताओं की तैयारियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने दावा किया कि 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों में हरियाणा के तैराक सबसे ज्यादा मेडल हासिल करेंगे।

निरंकारी संगत एवं सेवादल ने किया श्रम दान

झज्जर। निरंकारी मिशन द्वारा रविवार को सफाई अभियान चला कर सांपला रोड स्थित जलघर परिसर की साफ-सफाई की गई। जिला संयोजक रोशनलाल निरंकारी ने बताया कि स्वच्छ जल-स्वच्छ मन अभियान के अंतर्गत प्रातः आठ बजे से ग्यारह बजे तक साध संगत एवं सेवादल के सदस्यों द्वारा जलघर परिसर में उगे झाड़-झखंड को उखाड़ा गया तथा वाटर टैंक से भी गंदगी बाहर निकाली गई। इसके उपरांत सेवादल सदस्यों व साध संगत द्वारा दोपहर एक बजे संत निरंकारी सत्संग भवन में आयोजित सत्संग में भाग लिया।

स्टोर से काजू-बादाम चोरी करने वाला काबू 6 कट्टे बरामद

बहादुरगढ़। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने स्टोर से काजू-बादाम व अन्य सामान चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मनजीत निवासी सोनीपत के रूप में हुई है। दरअसल, सेक्टर-9 का निवासी रविंद्र सेक्टर 6 की पहली पुलिया पर स्थित स्मार्ट बाजार में स्टोर मैनेजर है। उसने शिकायत दी थी कि 13 फरवरी की रात को स्टोर में चोरी हो गई थी। अज्ञात चोर काजू, बादाम, चॉकलेट व घी के पैकेट चोरी कर ले गए। मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान एएसआई जलवीर की टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से चोरी किए गए काजू व बादाम के 6 प्लास्टिक कट्टे बरामद किए गए हैं। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मामले में फरार चल रहे एक अन्य आरोपी की भी तलाश जारी है।

डॉ. राजेंद्र भारद्वाज ने रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया

विहिप-भाविप के कैंप में 103 ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। कैंप में रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते स्वामी दिव्यानंद जी महाराज। फोटो : हरिभूमि

ब्रह्मशक्ति संजीवनी अस्पताल में रविवार को विश्व हिंदू परिषद एवं भारत विकास परिषद द्वारा विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 103 लोगों ने रक्तदान कर पुण्य कमाया। गीता ज्ञानेश्वर स्वामी दिव्यानंद जी महाराज के पावन सानिध्य में भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय सोशल मीडिया प्रमुख डॉ. राजेंद्र भारद्वाज ने रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। अंतरराष्ट्रीय कराटे कोच रजनीश चौधरी ने दीप प्रज्वलन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक राठी ने की। स्वामी दिव्यानंद जी महाराज ने बताया कि जरूरतमंद और बीमार मरीजों के लिए स्वस्थ आदमी को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए। डॉ. राजेंद्र भारद्वाज ने कहा कि रक्तदान शिविरों का आयोजन समय-समय पर होना चाहिए। मंच संचालन संजीव शर्मा ने किया। डॉ. मनीष शर्मा, यशपाल गांधी व मूलचंद जोशी आदि ने अतिथियों और सहयोगियों का स्वागत सम्मान किया। इस मौके पर नीरज वत्स, राघव, पार्षद प्रवीण सोनू, सतीश शर्मा, विजय पुनहानी, दीपेश राठी, ब्रह्म पुनयानी, संजय , सत्येंद्र , कर्मवीर राठी, प्रधानाचार्य डॉ. राजवंती, सुशील अग्रवाल, नितिन , अंजू अग्रवाल, शालू शर्मा, नैना फौगाट, दिनेश शेखावत, राजपाल जांगड़ा व प्रवीण सांगवान आदि उपस्थित रहे। वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय की स्वयंसेविकाओं ने कैंप के आयोजन में सहयोग किया।

दुर्गा स्कूल की पांच महिला खिलाड़ियों को मिली खेल छात्रवृत्ति

झज्जर। शिक्षकों के साथ उपस्थित छात्रवृत्ति हासिल करने वाली छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। दुर्गा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय महराना की पांच महिला खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्रदेश सरकार द्वारा खेल छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। विद्यालय संचालक रामचंद्र शर्मा ने बताया कि छात्रवृत्ति पाने वाले खिलाड़ियों में अन्नू चौहान, वर्षा, निशा, पायल और भावना शामिल है। डीपीई अशोक कुमार ने बताया कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और खेलों के प्रति समर्पण का परिणाम है। प्रदेश सरकार की तरफ से जब खिलाड़ियों के बैंक खातों में छात्रवृत्ति की राशि डाली गई तो उनमें खुशी की लहर दौड़ गई। संचालक रामचंद्र शर्मा ने छात्रवृत्ति हासिल करने वाली सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खबर संक्षेप

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

झज्जर । डीघल में ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान डीघल गांव निवासी करीब 22 वर्षीय राजेश पुत्र जसबीर के तौर पर हुई है। जांच अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि राजेश शनिवार की रात करीब साढ़े नौ बजे खेतों में पानी लगाने के लिए गया था। उसके खेतों के बीच से रेलवे लाइन गुजर रही है। जब वह रात को खेत से दूसरे खेत में जा रहा था तो उसी दौरान ट्रेन की चपेट में आ गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 को होगा

झज्जर। आगामी 14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम विशाल ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य लंबित मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से त्वरित निपटारा करवाना है। लोक अदालत में ट्रैफिक चालान, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना अधिनियम, पारिवारिक विवाद दीवानी एवं फौजदारी मामले, श्रम विभाग, भूमि अधिग्रहण, बिजली पानी के बिलों तथा राजस्व आदि का निपटारा किया जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाएं।

दो अवैध हथियार और कारतूस सहित पकड़ा

झज्जर। एसटीएफ की टीम द्वारा थाना बेरी क्षेत्र से दो अवैध हथियार और छह कारतूस सहित आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। एसटीएफ प्रभारी उप निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि मुख्य सिपाही नवीन कुमार की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर दुबलधन से बेरी रोड पर खेड़े व्यक्ति की तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से दो देशी पिस्तौल व छह जिंदा कारतूस बरामद हुए। आरोपी की पहचान विजेंद्र निवासी दूबलधन के तौर पर की गई। आरोपी को अदालत में पेश किया। जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

पुलिस वेरिफिकेशन करवाने के दिए निर्देश

झज्जर। जिला पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष सर्च अभियान के तहत रविवार को दुलीना चौकी क्षेत्र में डॉग स्क्वॉड के साथ विभिन्न ढाबों, वेयरहाऊस और अन्य संदिग्ध स्थानों पर सघन जांच की। अभियान का नेतृत्व एसीपी सुरेंद्र कुमार ने किया। एसीपी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि दुलीना पुलिस चौकी क्षेत्र में व्यापक स्तर पर तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस टीमों ने बारीकी से निरीक्षण करते हुए संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी और सुरक्षा मानकों की जांच की। अभियान के दौरान वेयरहाऊस और अन्य संस्थानों में काम करने वाले कर्मचारियों को पुलिस वेरिफिकेशन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों का सत्यापन कराने से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होती है और अपराधों की रोकथाम में मदद मिलती है।

सैनिक स्कूल बनवाने को लेकर गांव मातनहेल में किया मंथन

दो घंटे विचार-विमर्श करने के बाद पंचायत ने गठित की कमेटी

- *नव गठित कमेटी मामले को लेकर अधिकारियों से करेंगी मुलाकात*
- *पूर्व विधायक हुकुम सिंह ने कहा कि ग्राम वासियों की सहमति व स्कूल के लिए दी गई जमीन के बावजूद सैनिक स्कूल निर्माण में बाधाएं आ रही हैं।*

झज्जर। पंचायत में अपनी बात रखते ग्रामीण।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सैनिक स्कूल बनवाने की वर्षों से चली आ रही मांग को लेकर रविवार को मातनहेल गांव में पंचायत का आयोजन किया गया। दोपहर बाद करीब चार बजे शुरू हुई इस पंचायत की अध्यक्षता पहलवान रामकिशन ने की जबकि पूर्व विधायक हुक्म सिंह ने भी विशेष रूप से शिरकत की।

पंचायत में सैनिक स्कूल बनवाने व उसके लिए जमीन को स्कूल के नाम करने व स्कूल खुलने के बाद गांववासियों को होने वाले फायदों व सुविधाओं को लेकर चर्चा की गई। पूर्व विधायक

■ दोपहर बाद करीब चार बजे शुरू थी पंचायत

हुकुम सिंह ने कहा कि ग्राम वासियों की सहमति व स्कूल के लिए दी गई जमीन के बावजूद सैनिक स्कूल निर्माण में बाधाएं आ रही हैं। ऐसे में एक कमेटी का गठन करना चाहिए जो इस संबंध में उच्च अधिकारियों से मिलकर स्कूल निर्माण के लिए आवश्यक कार्रवाई व विभाग अधिकारियों द्वारा गांव की दी जाने वाली सुविधाओं बारे जानकारी हासिल करे। पंचायत की सहमति पर कमेटी का गठन किया गया। नव गठित कमेटी में पूर्व सरपंच जयभगवान, कर्नल जयसिंह, सूबेदार श्रद्धानंद, जयप्रकाश पहलवान, गुरुदीप सुहाग, पूर्व सरपंच नरेंद्र बबल, सरपंच प्रतिनिधि कैप्टन बिजेंद्र व भूप सिंह शास्त्री को शामिल किया गया। करीब दो घंटे तक चली पंचायत में फैसला लिया गया कि नव गठित कमेटी सदस्य उच्चाधिकारियों से मिलेंगे तथा वहां से मिली जानकारी को पंचायत के समक्ष सांझा करेंगे। इसके उपरांत ही सैनिक स्कूल बनवाने की आगामी प्रक्रिया अमल में लाई जाएगी।

प्राइवेट पार्टनरशिप पर एतराज

गुरुदीप सुहाग ने बताया कि ग्राम पंचायत मातनहेल द्वारा सैनिक स्कूल बनवाने के लिए सैनिक बोर्ड को दो बार जमीन मुहैया कराई गई। एक बार वन विभाग द्वारा आपत्ति लगाए के कारण स्कूल निर्माण रुक गया। उसके बाद 60 एकड़ 7 मरला जमीन नीमली रोड पर स्कूल के नाम करने की बात कही गई। लेकिन जब ग्रामीणों ने स्कूल को प्राइवेट पार्टनरशिप में बनवाने की बात सुनीं तो वे जमीन देने में संकोच करने लगे। इसके बाद पत्र के माध्यम से अधिकारियों को प्राइवेट की बजाय पूर्व में हुई घोषणा के अनुसार सरकारी सरंक्षण में ही स्कूल बनाने की मांग की गई। उन्होंने बताया कि सैनिक बोर्ड से नीमली रोड वाली करीब 61 एकड़ जमीन पर स्कूल बनाने की मंजूरी मिल गई थी लेकिन तहसील में कोई कार्य नहीं होने के चलते मामला अधर में लटक गया था। सुहाग के अनुसार तत्कालीन सरंपच द्वारा जमीन का प्रस्ताव पारित किया गया था लेकिन उनका कार्यकाल पूरा होने व दो वर्षों तक ग्राम सरपंच का पद रिक्त रहने के कारण यह योजना आगे नहीं बढ़ पाई।

शिविर में स्वयंसेवकों को मानसिक स्वास्थ्य के बारे में दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

राजकीय महाविद्यालय बिरोहड़ में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर के तीसरे दिन स्वयंसेवकों ने श्रमदान किया तथा ग्रामीणों को प्लास्टिक मुक्त वातावरण अपनाने के लिए प्रेरित किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर शिवानी ने बताया कि शिविर की शुरूआत एनएसएस गीत व योगाभ्यास से की गई। डॉक्टर सवीन ने स्वयंसेवकों को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझाते हुए उन्हें योगाभ्यास कराया।

■ राजकीय महाविद्यालय बिरोहड़ में स्वयंसेवकों ने किया श्रमदान

स्वयंसेवकों के बीच खो-खो स्पर्धा भी कराई गई जिसमें उन्होंने अपनी प्रतिभा दिखाई। दोपहर सत्र में प्राचार्य प्रोफेसर डॉक्टर सतवीर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में सहायक प्रोफेसर राजेश कुमार ने स्वयंसेवकों को स्वच्छता व पर्यावरण सरंक्षण

झज्जर। व्याख्यान कार्यक्रम के दौरान उपस्थित स्वयंसेवक।

विषय पर जानकारी दी। इसके उपरांत स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता अभियान चला गांव के मंदिर परिसर व सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई की गई। उन्होंने ग्रामीणों को प्लास्टिक मुक्त वातावरण अपनाने के लिए प्रेरित किया। सायंकालीन सत्र में आयोजित व्याख्यान में कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर शिवानी ने स्वयंसेवकों को राष्ट्र निर्माण में एनएसएस की भूमिका से अवगत कराते हुए कहा कि यह केवल योजना नहीं बल्कि युवाओं में सेवा, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का माध्यम है।

शिविर में 831 का जांचा स्वास्थ्य 83 लोगों ने किया रक्तदान

■ शिविर में हड्डी, दांत, चर्म रोग और कान संबंधी विकारों पर परामर्श दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

खातीवास स्थित दादा सिराज मंदिर परिसर में रविवार को संस्कारम समूह के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल के दादा स्वर्गीय दादा लालचंद की स्मृति में मेगा फ्री हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में खातीवास के अलावा निकटवर्ती गांव खेड़ी खुम्मार, जहाजगढ़ ,पलड़ा सहित अन्य गांवों के लोगों ने भी स्वास्थ्य लाभ उठाया। विभिन्न ग्राम सरपंचों और मौजिज लोगों द्वारा डॉक्टर महिपाल द्वारा की गई इस मानवीय पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मेगा कैंप ग्रामीण उत्थान के लिए एक मील का पत्थर साबित होंगे।

शिविर के दौरान विशेषज्ञों द्वारा आंखों की जांच, हड्डी, दांत, चर्म रोग और कान संबंधी विकारों का निःशुल्क परामर्श दिया गया। अत्याधुनिक सुविधाओं के अंतर्गत मरीजों के निःशुल्क सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे

और ईसीजी जैसे महत्वपूर्ण टेस्ट किए गए तथा जरुरतमंद लोगों को मुफ्त दवाइयां वितरित की गईं। मरीजों की सुविधा के लिए झज्जर, माजरा, जहाजगढ़, धौड़, खेड़ी, पलड़ा, तलाव और छुछकवास जैसे रूटों पर निःशुल्क बस सेवा का संचालन किया गया। शिविर में 831 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई, जबकि 83 लोगों ने रक्तदान कर पुण्य कमाया। इसके अलावा युवाओं ने रक्तदान शिविर में हिस्सा लेकर रक्तदान-महादान के संकल्प को पूरा किया। सरपंचों और ग्रामवासियों ने डॉक्टर महिपाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से गरीब और जरूरतमंद परिवारों को घर के पास ही विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं मिलना संभव हो पाया है।

खबर संक्षेप

स्कॉलरशिप टेस्ट में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। एलए सीनियर सैकेंडरी स्कूल में रविवार को स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया गया। स्कूल प्रबंधक केएम डागर ने सभी विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों का स्वागत किया। प्राचार्या निधि कादियान ने बताया कि टेस्ट का परिणाम सभी अभिभावकों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है। स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया व नीलम दहिया ने प्रतिभावान विद्यार्थियों की सराहना की।

टैलेंट सर्च परीक्षा में 411 विद्यार्थियों ने लिया भाग

झज्जर। जीएवी पब्लिक स्कूल पाटौदा में रविवार को टैलेंट सर्च परीक्षा का आयोजन किया गया। स्कूल संस्थापक अशोक ने बताया कि परीक्षा में पहली से ग्यारहवीं कक्षा तक के 411 विद्यार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि परीक्षा में लुहारी, पाटौदा, अहरी, कुलाना, माछरौली, खेडी, अमादलपुर,कहाड़ी, गुरावडा, हेलीमंडी, पटौदी सहित विभिन्न गांवों के सैंकड़ों विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। इस मौके पर स्कूल प्रिंसिपल विपिन कुमार, हेड टीचर सुमिला यादव, रवि कुमार, देवेंद्र कुमार, अनूप शर्मा, किशोर कुमार, आकाश, हरिओम डीपीई, सविता शर्मा, सरिता तंवर, पूनम, मोनिका, कोमल, राखी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

मैदान की सफाई कर खेलने योग्य बनाया

झज्जर। ग्राम सुधार संघर्ष समिति खातीवास के सदस्यों ने बंजर व झांड-झखंड से अटे गांव के खेल मैदान की सफाई कर उसे युवाओं के अभ्यास करने योग्य बनाकर समाज के लिए मिसाल पेश की है। समिति सदस्यों ने बताया कि गांव में बच्चों के लिए कोई खेल का मैदान नहीं था। खेल के मैदान की जमीन बंजर थी और झाड़ियों से ढकी हुई थी। लोग इस जमीन पर पशुओं के चारे का भंडार करने लगे थे। युवाओं द्वारा ग्राम सुधार संघर्ष समिति का गठन करते झांडियों को काटा तथा ग्रामीणों से पशुओं का चारा वहां से हटाने की अपील की। युवाओं द्वारा दिखाए गए उत्साह का समर्थन करते हुए ग्रामीणों ने भी इसमें सहयोग दिया। अब यह मैदान बच्चों व युवाओं की शारीरिक खेल गतिविधियों के लिए तैयार है। अब गांव के युवा यहां खेल व योगाभ्यास करते हैं जिससे ग्रामीणों द्वारा समिति सदस्यों की सराहना की जा रही है।

प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

झज्जर। वीरों की देवभूमि कहे जाने वाले जिले के गांव धारौली की सामाजिक संस्था मां-मातृभूमि सेवा समिति द्वारा शहीद हवा सिंह लांबा राजकीय माध्यमिक विद्यालय में 11वीं सदी के प्रसिद्ध संत बाबा मुक्तेश्वरपुरी महाराज की जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हेडमास्टर सतीश कुमार ने की जबकि प्राचीन शिव मंदिर कोसली के महंत बाबा रामदास महाराज व रिलायंस ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन सुखबीर जाखड़ ने विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों सोनिया, कोमेश, यश, दिव्या, दक्ष, मोहित को सम्मानित किया गया। इस मौके पर एडवोकेट रिंकू, योगेश कुमार जाखड़, युद्धवीर सिंह लांबा, मास्टर सतीश यादव, सोनू, जोगिंद्र सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

खेतों में मिला शव, जानवरों ने नोंचे हाथ-पांव

झज्जर। गांव जहाजगढ़ व खातीवास के बीच खेतों में एक व्यक्ति का शव मिला है। राहगीर ने खेतों में पड़े लहुलुहान शव को देखा तो उसने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। एफएसएल टीम ने भी मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। मृतक की पहचान देवीराम पुत्र बलबीर निवासी बिरड़ माजरा के तौर पर हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार देवीराम फिलहाल खातीवास गांव में रहता था और बीती सत्रह फरवरी से लापता था। परिजनों द्वारा उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी पुलिस में दर्ज कराई थी। शव का एक हाथ व एक पांव जानवरों द्वारा नौंचा गया है। उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दुजाना थाना में दर्ज थी जबकि अब शव बेरी थाना के अधीन क्षेत्र में मिला है। इसलिए दोनों थाना क्षेत्र की पुलिस टीम द्वारा मामले की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्ट्या मामला हार्ट फेल का प्रतीत होता है। पुलिस द्वारा इस संबंध में नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

नशा मुक्ति व साइबर जागरुकता का लिया संकल्प

बहादुरगढ़। छारा के चौधरी हरद्वारी लाल राजकीय महाविद्यालय में चल रहे साप्ताहिक एनएसएस शिविर के तीसरे दिन जागरूकता, स्वास्थ्य एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया गया। विद्यार्थियों ने समाज में नशा मुक्ति एवं साइबर जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। प्राचार्या डॉ सविता पुनिया के दिशानिर्देशन में चल रहे कैंप के तीसरे दिन की शुरुआत प्रातःकालीन योग सत्र से हुई। योगाचार्य जगदीश कुमार सहवाग ने विद्यार्थियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यानाभ्यास करवाया। रोहतक से आए सुमित मलिक ने नशा मुक्त भारत बनाने में योगा और मेडिटेशन की भूमिका पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि नशा व्यक्ति की इच्छाशक्ति को कमजोर करता है और उसके भविष्य को प्रभावित करता है। उन्होंने मेडिटेशन का अभ्यास करवाते हुए बताया कि नियमित ध्यान से आत्मनियंत्रण, मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड से आए विश्वजीत शर्मा ने साइबर फ्रॉड, निवेश जागरूकता एवं बढ़ते साइबर खतरों पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी निवेश योजनाओं, फिशिंग, ओटीपी धोखाधड़ी और सोशल मीडिया स्कैम से सतर्क रहने की सलाह दी।

पंडित भगवत दयाल शर्मा को किया नमन

झज्जर। प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री एवं महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित भगवत दयाल शर्मा की 33वीं पुण्यतिथि पर बेरी स्थित समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने शिरकत की। मुख्यतिथि ने पंडित भगवत दयाल शर्मा के समाधि स्थल पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा उनके योगदान का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि पंडित भगवत दयाल शर्मा ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और हरियाणा के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश के विकास की मजबूत नींव रखी। उनका जीवन समाज सेवा, ईमानदारी और समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है। वहीं एसडीएम रेणुका नांदल व पंडित भगवत दयाल शर्मा ट्रस्ट की अध्यक्ष आशा शर्मा ने पंडित भगवत दयाल शर्मा को नमन करते हुए युवा पीढ़ी से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर हरियाणा ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष सतीश गौतम, नपा चेयरमैन देवेंद्र कादियान,मार्केट कमेटी बेरी के चेयरमैन राजेंद्र शर्मा, मनीष शर्मा नंबरदार, ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा आदि मौजूद रहे।

नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया

नितिन मिस्टर फ्रेशर और मृदुला मिस फ्रेशर बनीं

झज्जर। नवागंतुक विद्यार्थियों के साथ मंच पर उपस्थित डॉक्टर महिपाल।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

संस्कारम विश्वविद्यालय पाटौदा के दादा लालचंद ऑडिटोरियम में बीएससी नर्सिंग व जीएनएम के नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए फ्रेशर पार्टी नवाध्याय 2026 का आयोजन किया गया। पार्टी में यूनिवर्सिटी कुलपति डॉक्टर महिपाल, वाइस चांसलर डॉक्टर गुरदयाल सिंह, वेटरनरी अध्यक्ष डॉक्टर गुलाटी, प्रिंसिपल रविंद्र व्यास, यूनिवर्सिटी स्टूडेंट काउंसिल के प्रेसिडेंट जसप्रीत, वाइस प्रेसिडेंट भानु ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वन और स्वागत गीत के साथ हुआ।

कुलपति डॉक्टर महिपाल ने नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि

■ कुलपति डॉक्टर महिपाल ने नवागंतुक विद्यार्थियों का किया स्वागत

शिक्षा ही वह सशक्त माध्यम है जिसके जरिए जीवन की हर चुनौती पर विजय पाई जा सकती है।

प्रिया मिस ब्यूटीफुल बनी

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी में विद्यार्थियों ने नृत्य गायन और अन्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस दौरान नितिन को मिस्टर फ्रेशर, मृदुला को मिस फ्रेशर, हर्ष को मिस्टर पर्सनालिटी हर्ष, प्रियांशी को मिस एडरेबल व तरुण को मिस्टर एडरेबल, प्रिया को मिस ब्यूटीफुल, तुषार को मिस्टर हैंडसम का खिताब दिया गया।

प्राचार्या ने स्वयंसेविकाओं को आकर्षक जेल मोमबत्ती बनाना के टिप्स सिखाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय द्वारा गांव बामड़ोली में हुए सात दिवसीय एनएसएस शिविर के छठे दिन डिजिटल इंडिया को लेकर जागरुक किया गया। प्राचार्या डॉ आशा शर्मा ने स्वयंसेविकाओं को आकर्षक जेल मोमबत्ती बनाना सिखाया। इस अवसर पर डिजिटल इंडिया के संदेश को लेकर जागरूकता रैली निकाली।

एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. अनु शर्मा ने बताया कि एकल नृत्य प्रतियोगिता में ईशा ने प्रथम स्थान, लक्ष्मी ने द्वितीय स्थान तथा सुषमा, नेहा एवं तन्नु ने तृतीय स्थान प्राप्त

बहादुरगढ़। डिजिटल सुरक्षा को लेकर जागरुक करती स्वयंसेविकाएं।

किया। एचडीएफसी बैंक के मैनेजर सुनील कुमार ने कहा कि वर्तमान युग में डिजिटल साक्षरता बुनियादी आवश्यकता बन गई है। डिजिटल तकनीकों और उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की क्षमता, जिसमें इंटरनेट का उपयोग करना, ऑनलाइन जानकारी खोजना, डिजिटल संचार करना और साइबर सुरक्षा का ध्यान रखना शामिल है।